भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3248
उत्तर देने की तारीख 16.12.2024

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए)

3248. श्री नारायण तातू राणे :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) की स्थापना के लिए सरकार द्वारा निर्धारित उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार का देश के विभिन्न क्षेत्रों में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र शुरू करने का प्रस्ताव है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन उद्देश्यों के लिए चयनित राज्यों का ब्यौरा क्या है;
(घ) आईजीएनसीए को प्रदान किए गए अनुदान का ब्यौरा क्या है;
(ड.) विगत पांच वर्षों के प्रत्येक वर्ष के दौरान किन-किन मदों में अनुदान का उपयोग किया गया है;
(च) क्या आईजीएनसीए में पर्याप्त संख्या में कर्मचारी नहीं हैं जिसके परिणामस्वरूप इसका कार्यनिष्पादन प्रभावित हो रहा है;
(छ) यदि हां, तो इस संबंध में क्या उपचारात्मक कदम उठाए गए हैं;
(ज) क्या आईजीएनसीए का कार्यनिष्पादन संतोषजनक नहीं है, और
(झ) यदि हां, तो इस संबंध में क्या उपचारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) की स्थापना भारतीय कलाओं और सांस्कृतिक धरोहर को प्रलेखित, परिरक्षित, संरक्षित और प्रसारित करने तथा संस्कृति के विशेषीकृत क्षेत्र में कार्य करने हेतु सक्षम व्यावसायिकों को प्रशिक्षित करने के अधिदेश के साथ, भारत सरकार द्वारा संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत, स्वायत्त निकाय के रूप में की गई थी। आईजीएनसीए अपने 9 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से परिचालन करता है जो शोध

के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए विशेषीकृत केन्द्रों के रूप में कार्य करते हैं और जिनका उल्लेख नीचे किया गया है:

क्र. सं.	स्थान	विशेषज्ञता के क्षेत्र
1.	वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	अगम दर्शन
2.	गुवाहाटी (असम)	पूर्वोत्तर सांस्कृतिक केन्द्र
3.	बेंगलुरू (कर्नाटक)	सभ्यता और मंच कलाएं
4.	रांची (झारखंड)	जनजातीय धरोहर अध्ययन
5.	वडोदरा (गुजरात)	आधुनिक कला
6.	गोवा	अंतर सांस्कृतिक संबंध
7.	त्रिशूर (केरल)	वैदिक परंपरा और मंच प्रस्तुति अध्ययन
8.	पुदुचेरी	पुरातात्विक और पुरालेखीय अध्ययन
9.	जम्मू और कश्मीर	शिव दर्शन

(घ) से (झ): विगत पांच वर्षों के दौरान आईजीएनसीए को प्रदत्त अनुदान का ब्यौरा निम्नलिखित है:

2019-20 : 46.40 करोड़
2020-21 : 40.00 करोड़
2021-22 : 53.30 करोड़
2022-23 : 55.05 करोड़
2023-24 : 109.10 करोड़

आईजीएनसीए और संस्कृति मंत्रालय के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, अनुदान के तहत आईजीएनसीए को जारी की गई राशि का पूर्ण उपयोग सांस्कृतिक सूचना विज्ञान प्रयोगशाला, मीडिया केंद्र, प्रकाशन इकाई, शैक्षणिक इकाई और देश भर में इसके 9 क्षेत्रीय केंद्रों के कार्यकरण के लिए किया गया है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में पर्याप्त संख्या में कर्मचारी हैं और इसका कार्यनिष्पादन संतोषजनक है। आईजीएनसीए ने विगत वर्षों में कई परियोजनाओं और कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया है जैसे नए संसद भवन में कलाकृतियों की स्थापना, भारत मंडपम में नटराज की प्रतिमा की स्थापना, राष्ट्रपति सचिवालय में ट्राइवल वॉल का निर्माण, गुजरात के वडनगर में प्रेरणा स्कूल का विकास, आईटीपीओ, नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन से संबंधित सांस्कृतिक कार्यकलाप और संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी का डिजिटलीकरण। केन्द्र भारत की कला और सांस्कृतिक धरोहर के संबंध में अनुसंधान और प्रकाशन में सतत रूप से कार्यरत है।

*****